Aryan Gupta s/o Nitin Gupta
9'A
Rollno=13, CKC Jhansi

वर्षा जल है जीवन धारा

भारत की अर्थव्यवस्था में वर्षा जल का विशेष महत्व है। इस वर्षा पर यहाँ की खरीफ की फसल निर्भर करती है। वर्षा का आगमन जेठ माह में होता है तथा भादो तक इसका वर्चस्व कायम रहता है। ग्रीष्म काल में तपती धरती की प्यास ये वर्षा के बादल ही बुझाते हैं। गर्मी से राहत मिलती है। जेठ में पड़ने वाली तेज बारिश सभी को अपनी ओर आकर्षित करती है। आषाढ़ में वर्षा की गति और आवृत्ति दोनों बढ़ती है। खेतों में धान की रोपाई कर दी जाती है। सावन की रिमझिम-रिमझिम फुहारें तन मन को आनन्द से भर देती हैं। कवि सुमित्रानन्दन पंत जी के शब्दों में

"पकड़ वारि की धार झूलता है मेरा मन,
आओ रे, सब मुझे घेर कर गाओ सावन।
इंद्रधनुष के झूले में झूलें मिल सब जन,
फिर-फिर आए जीवन में सावन मन-भावन।"

पर्यावरण को प्रभावित करने वाला सबसे महत्वपूर्ण संसाधन जल है। पृथ्वी का 71% भाग जल से ढका है परन्तु 97% से भी अधिक जल महासागरों में जमा है। इन महासागरों का जल हमारे उपयोग का नहीं क्योंकि यह नमकीन होता है। भूतल जल हमारे उपयोग में आता है जो पृथ्वी के पूरे जल भंडार का केवल 0.6% भाग है। बढ़ती जनसंख्या से इस जल स्रोत पर दबाव बढ़ रहा है। भूतल जल का स्तर नीचे जा रहा है।

भू जल संरक्षण का संदेश आम जनता तक पहुंचाने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जन जागरूकता हेतु पोस्टर बैनर होर्डिंग आदि का प्रदर्शन करना चाहिए। इस कार्य में गैर सरकारी संगठनों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं, सामाजिक संगठनों को भी सहयोग करना चाहिए।

भू जल संरक्षण के लिए वर्षा जल को नलकूपों, गड्ढों और कुओं में एकत्र करना चाहिए। घर में पेयजल के साथ-साथ घरेलू कार्य के लिए खारेजल का प्रयोग करके शुद्ध जल संरक्षण किया जा सकता है। वृक्षारोपण जल संग्रहण में बेहद जरूरी भूमिका निभाता है। जल बचाओ पृथ्वी बचाओ भूगर्भ जल सप्ताह मनाओ के स्लोगन के साथ आयोजन करने होंगे।

"जल है तो कल है।"

NAME : PEEYUSH AGARWAL
SCHOOL : CHRIST THE KING COLLEGE

CLASS : 10-A
ROLL NO : 17

वर्षा जल है जीवन धारा

हमारी धरती पर जीवन पाँच महत्वपूर्ण तत्व से बना है। वह हैं जल, वायु, अग्नि, आकाश और पृथ्वी। धरती पर बारिश की हर बूँद लोगों के लिये भगवान के आशीर्वाद के समान हैं। ताजे बारिश का पानी जमीन पर मोती के समान गिरता हैं। यह पानी हमारे लिए एक प्रसाद की तरह हैं जो भगवान हमारे जीवन को कुशलपूर्वक बनाए रखने के लिए देता है

हमें इस पानी को बचाने की कोशिश करनी चाहिए सभी क्षेत्रों में जल आपूर्ति को आसान बनाने के लिए नयी और असरदार तकनीकों को इस्तेमाल करते हुए हमें अपनी जल इकट्ठा करने की पुरानी परंपरा को लाना चाहिए। हमें पता होना चाहिए कि हर वर्षा ऋतु में कितना जल खराब हो जाता हैं, जिससे हमारी धरती माता का भूमी जलस्तर भी काफी कम हो गया हैं।

जल की कमी वाले क्षेत्रो मे पानी उपलब्ध कराने के लिए बहुत सालो से सबसे चिरस्थायी और असरदार तरीका बारिश के पानी को संकलित करना हैं। नियमित

SUBMITTED TO:
MRS. ANJU PAUL

जल की आपूर्ति की कमी में भी वो बारिश के पानी से मौसमी फसल की खेती को जारी रख सकते हैं।

"पानी बचाने का करो हर जतन क्यूंकि
जल है बहुमूल्य अनमोल रत्न"

हम बारिश के पानी को तालाब या टैंक में जमा कर सकते हैं। ये प्रयत्क्ष और अप्रयत्क्ष दोनो तरीको से भूमी के जलस्तर को पुनः भरा जा सक हैं। बारिश के मौसम से पहले कुएँ खोद कर, टैंक आदि या तालाब बनाकर हम सब बारिश का महत्वपूर्ण जल इकट्ठा कर सकते हैं।

जीवित रहने के लिए जल जरूरी हैं अन्यथा कोई जीव इस धरती पे बिना जल के नहीं जी जल जीने का आसरा हैं। एक समय था जब हर जल आसानी से मिल जाया करता था और आज जल के लिए कई राह कई प्रयत्न करने पड़ते हैं इसलिए जल का संरक्षण करे और अपने आस जल को व्यर्थ होने से रोके।

Name = Devesh Jain
Class = 9th 'A'
Roll no. = 18

Date / /

वर्षा जल है जीवन धारा

ईश्वर ने हमे पाँच महत्वपूर्ण तत्व दिए है। जल वायु अग्नि, आकाश और पृथ्वी, कभी कल्पना कि है कि अगर इनमें से एक भी तत्व को हटा दिया जाए तब क्या होगा?

स्वच्छ और पेयजल का व्यर्थ बहना ना करते हुए उसको एक सुनिश्चित तरीके से करना चाहिए। हम बहुत बार अपने घर के नल खुला छोड़ देते है, इस कारण नदियो का स्तर दिन - प्रतिदिन गिरता जा रहा है। हमारे ग्रामीण भाईयो को खेतो कि सिंचाई के लिए टियूब वैल कि जगह शब्दकोश का इसतेमाल करना चाहिए क्योंकि खेतो कि सिंचाई के लिए लाखो लीटर पानी खर्च होता है। और बहुत सारा पानी खेतो के बाहर जाकर व्यर्थ चला जाता है।

हमे नदीयो का नीचा स्तर वापस उठाना होगा अन्यथा हमारी धरा बंजर हो सकती है।

हमे इस कार्य के लिए वर्षा जल का व्यर्थ जाने के बदले उसे इकट्ठा करना चाहिए। ग्रामीण को अपने खेतो के आस - पास दो - तीन छोटे तालाब खोदने चाहिए, जिससे वर्षा पानी उसमे इकट्ठा होकर काम आ सके। ऐसा ही कार्य किया है हिन्दुस्तान के करनाटक मे रहने वाले अमरज्योति कश्यप इन्होने पानी का स्तर नीचा होते देख वर्षा जल को एकत्रित करने का फैसला लिया। इसलिए "पानी का संरक्षण करे, जीवन का संरक्षण होगा"।

Name - Kushagra Srivastava
Class - 9'A
Roll no - 27

वर्षा जल है जीवन धारा

जल ही जीवन है बिना जल के इस दुनिया में जीवन असंभव है। हर प्राणी को इस दुनिया में जल की आवश्यकता है। पेड़-पौधे भी जल के मदद से अपना भोजन बनाते हैं। हम मनुष्य भी जल को पीकर ज़िंदा रह पाते हैं।

इस धरती पे जल हमे वर्षा द्वारा मिलता है। वो जल हमे इस धरती पर बड़े तलाब, सागर से मिलता है। बारिश का पानी सबसे शुद्ध माना जाता है। ये जल हमारे लिए बहुत लाभदायक है क्योंकी कुछ जगह जहा पानी की कमी रहती है वह के लोगो को जल की बहुत जरूरत होती है और बारिश का पानी यानी वर्षा का जल लोगो की मदद करता है जिससे वह अपने काम कर सके।

वर्षा का जल किसानो को उनकी फसलो को उपजाउ बनाने में मदद करता है, ये जल मिट्टी को अच्छा बनाए रखता है। यह जल सूखे खेतो की मिट्टी गीली करता है जिससे घास उग सके जैसे सूखे जंगल।

परंतु आज के समय में लोग जल की बहुत बरबादी करते है। जिसके कारण हमारी आने वाली पीढ़ी को जल

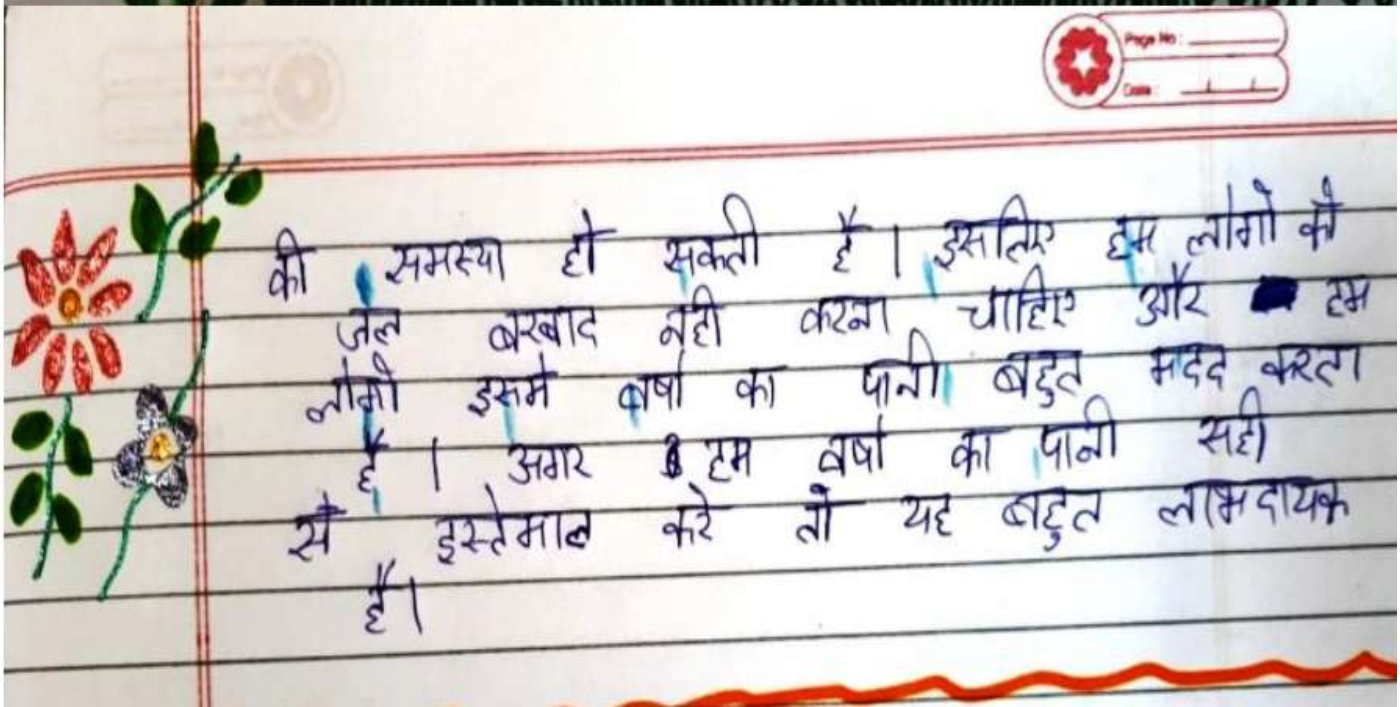

की समस्या हो सकती है। इसलिए हम लोगो को जल बरबाद नही करना चाहिए और हम लोगो इसमे वर्षा का पानी बहुत मदद करता है। अगर हम वर्षा का पानी सही से इस्तेमाल करे तो यह बहुत लाभदायक है।

कक्षा = 9 -'ब'
रोल नं = 13

20/6/2020

वर्षा जल है जीवन धारा

वर्षा जल संचयन भविष्य में उपयोग के लिए टै और अन्य जलाशयों में वर्षा जल के भंडार और भंडारण की प्रणाली है। वर्तमान में बारिश के पानी का संरक्षण करना बहुत जरूरी है ताकि इस प्राकृतिक संसाधन की कमी न हो। विश्व स्तर पर इसका अभ्यास किया जाता है और बारिश के पानी की कटाई और पानी की बर्बादी को रोकने के लिए क उपाय किए जाते हैं।

ऐसी कई विधियाँ हैं, जिनके माध्यम से ध किया जा सकता है जैसे सतही जल संग्रह प्रणाली, कटाई की छत की विधि, भूमिगत बांध ढलान, बैराज, जल संग्रह जलाशय, खाइयाँ आदि। कटाई का पानी भविष्य में पानी की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित क है और रोकता है।

इस तकनीक का उपयोग करके हम बरसात के मौसम में बहुत से स्वच्छ वर्षा जल कर सकते हैं। इसे घरेलू प्रयोजनों जैसे बागवानी पशुपालन और सिंचाई आदि के लंबे समय तक संग्रहीत किया जा सक है, वर्षा जल संचयन के लाभ हैं कि यह तकनीक जल आपूर्ति भार और नगरपालिका बिजली के बिल को कम करने में मदद

Scanned with Ca

करता है, ग्रामीण इलाकों में मुफ्त का जल बांटना।

इस अवसर पर चांडिल वन क्षेत्र के रेंजर चन्-नन त्रिपाठी ने कहा कि 70 के दशक में औद्योगि क्रांति के परिणामस्वरूप पर्यावरण को बहुत नुकसान पहुंचा। इसके बाद से ही पांच जून 197 से विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जाने लगा।

जल ही जीवन है

नाम :- देवांश व्यास कक्षा :- 10 वर्ग :- 'अ'
स्कूल :- क्राइस्ट द किंग कॉलेज

वर्षा जल है जीवन धारा

"बारिश का पानी कुदरत का वरदान, चलो वर्षा जल संरक्षण को बनाएं अभियान !"

वर्षा जल संचयन घरेलू और कृषि के प्रयोग के लिए वर्षा जल की एक विधि के रूप में दुनिया भर में पहले से ही व्यापक रूप से उपयोग किया जाता है। यह एक ऐसी विधि है जिसका उपयोग प्राचीन काल से किया जाता रहा है और इसे विश्व भर में विकास परियोजनाओं में पीने योग्य पानी प्रदान करने के एक व्यावहारिक तरीके के रूप में स्वीकार किया जा रहा है। इसका शहरी और अन्य पहाड़ी क्षेत्रों में भी व्यापक रूप से उपयोग में माना जाता है, जहाँ पाइप्ड पानी की विश्वसनीयता और गुणवत्ता पर तेजी से सवाल उठाये जाए।

सदियों से दुनिया ने घरेलू, परिदृश्य और कृषि उपयोगों के लिए पानी की आपूर्ति के लिए वर्षा जल संचयन पर भरोसा किया है। शहर की जल प्रणालियों को विकसित करने से पहले बारिश का पानी एकत्र किया जाता है ज्यादातर छत पर और गड्ढों या भंडारण टैंकों में। आज हवाई और ऑस्ट्रेलिया के पूरे महाद्वीप और लगभग 60% हिस्सों में वर्षा संचयन के विचार को बढ़ावा दिया।

Scanned with CamScanner

"जल एक अमूल्य निधि है, वर्षा जल संचयन इसे बचाने की एक विधि है।"

सबको जागरूक नागरिक की तरह जल संरक्षण की अभियान चलाते हुए बच्चों और महिलाओं में जागृति लानी होगी। स्नान करते समय 'बाल्टी' से जल लेकर 'शावर' और 'टब' की तुलना में जल बचाया जा सकता है। पुरुष वर्ग दाढ़ी बनाते हुए यदि टोंटी बंद रखेंगे तो जल बचेगा। रसोई में बाल्टी या टब में बरतन धोने से काफी पानी बहने से बचेगा।

नगरों में जहाँ बहुत अधिक वर्षा का स्रोत हो वहाँ हम बांध तानकर बचा वर्षा जल बांध बनाने से रोका जा सकता है। घरों की नालियों के पानी को गड्ढे बना कर एकत्र किया जाए और पेड़ पौधों की सिंचाई में लिया जाए।

अगर प्रत्येक घर की छत पर 'वर्षा जल' का भंडार करने के लिए एक या दो टंकी बनाई जाएं और इन्हें मजबूत जाली या फिल्टर से ढक कर अपने गृह कार्यों में प्रयोग करें तो जल संरक्षण किया जाता।

"वर्षा जल संग्रहण के उपायों को अपनाओ प्रकृति में जल की मात्रा को बढ़ाओ।"

शिक्षिका :- अंजु के पॉल
दिनांक :- 21/07/2020

Scanned with CamScanner